2013-2014 की अव्यक्त मुरलियों का संक्षिप्त सार

1. अभी बापदादा चाहते हैं कि हर एक बच्चा स्वस्थिति और सेवा की स्थिति दोनों में तीव्र हो, सदा अचल अडोल रह आगे से आगे बढ़ता जाए।

2. आजकल के वायुमण्डल के प्रभाव को पावरफुल सकाश द्वारा परिवर्तन करने की आवश्यकता है, इसके लिए मन्सा शक्ति को और पावरफुल बनाओ। लोगों में अभी सुनने सुनाने की शक्ति कम है इसलिए वृति द्वारा वृतियां बदलने की आवश्यकता है। अब वृतियों को बदलने की शक्ति और ज्यादा कार्य में लगाओ।

3. अभी मन्सा शक्ति द्वारा वायब्रेशन चेंज करना, वातावरण चेंज करना, यह सुनने सुनाने से नहीं होगा लेकिन अपने मन की शुभ कामना, मनुष्यों की वृति, दृष्टि, कृति को परिवर्तन कर सकती है।

4. जैसे सेवा का उमंग-उत्साह है ऐसे अभी स्वराज्य अधिकारी बनने की विधि और उस विधि को प्रैक्टिकल अनुभव करना इस तरफ भी अटेन्शन देना है। अभी चारों ओर जो भ्रष्टाचार की बातें चल रही हैं, इस वातावरण को मन की शक्ति द्वारा परिवर्तन कर सबके मन में परमात्म याद का उमंग-उत्साह पैदा करो।

5. अगर कोई थोड़ा सा कमजोर होता है तो उनको अपने सहयोग द्वारा, चाहे स्वयं, चाहे बड़ों से सहयोग दिलाते रहना। परोपकारी बन स्व-उपकार और पर-उपकार दोनों को अटेन्शन में रख बढ़ते भी रहना और बढ़ाते भी रहना।

6. सभी बच्चे सदा खुश आबाद रहने वाले, खुशनसीब, खुशनुमा हैं। बापदादा एक-एक बच्चे की मुस्कराती हुई सूरत को देख खुश हो रहे हैं। सदा ऐसे ही मुस्कराते खुशी में नाचते बढ़ते चलो, बढ़ाते चलो। सदा खुश हैं और सदा खुश रहेंगे, कोई भी बात आये, बात बाप को दे दो और आप मुस्कराते रहो। सदा सर्व के प्यारे, देहभान से न्यारे बाप को दिल में समाते हर कदम उठाना। अभी जो सभी के मस्तक में उमंग की लहरें देख रहे हैं, यह अभी का उमंग सदा रहे, यह विशेष ध्यान रखना। बापदादा सभी बच्चों के चेहरे में सदा बेफिकर बादशाह की झलक देखने चाहते हैं।

7. रोज अपने दिल में कोई न कोई विशेष उमंग लाओ और चेक करो कि वह उमंग, उमंग रहा या बदली हुआ? बापदादा यही चाहते हैं कि हर बच्चे की सूरत में सदा कोई न कोई गुण धारण करने का उमंग हो, अगर गुण धारण करेंगे तो अवगुण स्वतः खत्म हो जायेगा। कोई भी कमजोरी स्वप्न मात्र वा संकल्प में भी रही हुई हो तो उसे आज दृढ़ संकल्प से बाप को दे दो, फिर वापस नहीं लेना, तो बापदादा विशेष अमृतवेले मदद देंगे। अमृतवेला करने के बाद संकल्प को चेक करना और सच्ची दिल से दढ़ संकल्प करना तो बापदादा की एकस्ट्रा मदद मिलेगी।

8. अभी आगे चल करके जो समय आने वाला है, उस समय को देख बापदादा इशारा दे रहे हैं कि हर एक संकल्प में हर रोज दृढ़ता चाहिए। कोई भी संकल्प ढीला होने नहीं देना। करके ही दिखाना है, यह दृढ़ संकल्प करना। जैसे अभी सभी खुशनुमा देखने में आ रहे हो तो अपनी स्थिति को दोहराना।

9. जैसे बाप सदा वाह लगता है, वैसे बच्चे भी वाह, वाह। सुबह को उठके याद करना मैं कौन सा बच्चा हूं? वाह वाह बच्चा हूं। इसमें अटेन्शन देना। अगर कभी मूढ़ ऑफ हो तो वाह वाह शब्द याद रखना। हूं ही वाह वाह। तो सदा खुश रहेंगे। कुछ भी बात हो जाए, बात आई और गई, आप क्यों उसको पकड़ लेते हो? कोई बात ठहरती नहीं है, चली जाती है।

10. ब्रह्मा बाप की विशेष शिक्षा है - बापदादा के स्मृति स्वरूप बनो। बापदादा दोनों को फालो करो। अकेले बाप भी नहीं, अकेले ब्रह्मा बाप भी नहीं। जैसे ब्रह्मा बाप साकार में रहे, साकार में बच्चों के साथ भी पार्ट बजाया और बाहर की सेवा में भी पार्ट बजाया, ऐसे आप भी फालो करो।

11. आज की दुनिया में फालो करना मुश्किल भी लगता है लेकिन ब्रह्मा बाप ने कितना एक्युरेट पार्ट बजाया। ब्रह्मा बाप ने भी तो सामना किया लेकिन पास हो गये। तो आप सब भी दृढ़ संकल्प करो कि अन्त तक पार्ट बजाते हर पार्ट में पास होना ही है। अभी विजय पाने की मौसम है। संगमयुग की इस विशेषता को यूज करते चलो। पुरुषार्थ में कभी थकना नहीं, कोई भी छोटी-मोटी बात आती है, मदद लो। अगर किसी से मदद नहीं लेनी है तो योगबल से चेक करके उसका कोई न कोई हल ढूंढो।

12. सेवा के साथ स्वयं को भी सम्पन्न बनाओ। सेवा में इतने बिजी नहीं हो जाओ जो स्वयं को देखने का समय नहीं मिले। स्वयं को भी देखो और समय को भी देखो। सभी खुशमिजाज तो रहते ही हो, अगर किसी कारण से खुशमिजाज नहीं रह सकते तो जिसमें फेथ हो, भावना हो उससे सहयोग लो क्योंकि बापदादा जानते हैं कि छोटी-छोटी बातें किस समय भी आ सकती हैं इसलिए स्वयं को सदा अलर्ट रखना।

13. अभी समय प्रमाण हर स्थान पर सन्तुष्टता का वायुमण्डल होना चाहिए। अगर असन्तुष्टता है तो किसी के भी सहयोग से उसे ठीक करो। स्वयं का पावरफुल बनाओ। बापदादा इशारा दे रहे हैं कि अचानक के लिए तैयार रहो। फिर ऐसे नहीं कहना यह तो पता ही नहीं था, होना है, होगा अचानक। जब आप सबके मन से हल्का हो जायेगा तभी होगा इसलिए अपने आपको चेक करो बाप समान बने हैं? बाप चाहता है मन्सा-वाचा-कर्मणा, सम्बन्ध-सम्पर्क, इन सब बातों में ऐसी अवस्था हो, जो कुछ भी अचानक हो तो सामना कर सको। इन्टरनल पावर से आत्मा सदा अटेन्शन में रहे, सदा तीव्र पुरुषार्थ रहे।

14. अगर कोई विघ्न है या कोई हलचल है तो अपने दादियों को या जिसमें भी आपका फेथ हो, उनको सुना देना, अन्दर में नहीं रखना, कोई न कोई इलाज ले लेना क्योंकि सब अचानक होगा, उस समय पुरुषार्थ कर नहीं सकेंगे। अभी चेक करो - कुछ भी अचानक हो जाए, हलचल हो जाए तो इतनी शक्ति है जो स्वयं को भी बचायें, वायुमण्डल में भी प्रभाव डालें, औरों के भी मददगार बनें।

15. अभी यह कमाल दिखाओ जो हर एक मन्सा, वाचा, सम्बन्ध-सम्पर्क में स्वयं भी निर्विघ्न बाप समान बनें और औरों को भी उमंग-उत्साह में लाकर उनके सहयोगी बन उन्हों को भी निर्विघ्न बनाओ। हर एक अपने सेवा स्थान को निर्विघ्न बनाकर सभी से दुआयें लो। कम से कम हर सेन्टर अपने-अपने साथियों के सहयोगी बन निर्विघ्न बनाने की सेवा में सफल बनें। संकल्प मात्र भी व्यर्थ समाप्त, ऐसे बनें और बनायें। जो प्रैक्टिकल अपने साथियों को निर्विघ्न बनायेंगे उनको बापदादा इनाम देंगे लेकिन पहले इन्क्वायरी करेंगे। परिवर्तन तो होना ही है लेकिन उसके पहले जो भी छोटी मोटी बात है वह आपे ही परिवर्तन कर लो, कहना नहीं पड़े। समझदार तो हो क्या करना है, क्या नहीं करना है, तो जो नहीं करना है वह नहीं कर लो, बस। अभी लक्ष्य रखो जो भी एरिया आपको सेवा के लिए मिली है, उनको निर्विघ्न बनाना ही है क्योंकि राजधानी स्थापन करनी है। आधाकल्प राजधानी चलेगी तो इसके लिए थोड़ा चक्कर लगाके मेहनत करो, जो हेड है वह सभी जगह रहके समस्याओं को हल करो। अभी आप निमित बने हुए बच्चे जब निर्विघ्न अवस्था के अनुभवी बनेंगे तब आपके निर्विघ्नता का वायब्रेशन पुरुषार्थी बच्चों को पहुंचेगा। चेक करना हर एक संकल्प में भी निर्विघ्न रहे? जो सोचा वह हुआ? संकल्प भी व्यर्थ तो नहीं गये? कितनी भी वातावरण की माया हो, लेकिन वातावरण का प्रभाव मन के शुभ संकल्प में विघ्न रूप नहीं बने, इसमें सफलता हो।

16. बापदादा मन्सा संकल्प के तरफ अटेन्शन खिंचवा रहे हैं, जो निमित महारथी हैं अब मन्सा शक्ति के ऊपर अटेन्शन दो। वाणी और कर्म तो ऑटोमेटिकली ठीक हो ही जायेगा। क्योंकि वेस्ट थॉट्स जो आवश्यक नहीं है वह भी टाइम ले लेते हैं। वह समय बचाना है। मन्सा, वाचा और कर्मणा सबमें चेक करो कि वेस्ट कितना है, बेस्ट कितना है? इस शिवरात्रि पर बापदादा यही सौगात चाहते हैं कि व्यर्थ को समाप्त करो। बुराई के ऊपर तो अटेन्शन है लेकिन व्यर्थ के ऊपर भी अटेन्शन देने का होमवर्क बापदादा दे रहे हैं। लक्ष्य रखेंगे तो लक्ष्य से लक्षण स्वतः और सहज आ जायेंगे। फिर बापदादा एक एक बच्चे को तीव्र पुरुषार्थ का इनाम देगा।

17. जैसे बापदादा अभी चारों ओर के बच्चों को नयनों की दृष्टि देते हुए मिलन मना रहे हैं ऐसे सदा हर दिन इसी मिलन की खुशी और मौज में, हर सब्जेक्ट में आगे बढ़ते चलो और जीवन के हर दिन होली बन पवित्रता के वायब्रेशन चारों ओर फैलाते रहो। जो सेकण्ड बीता वह होली, हो लिया (बीत गया)। अब बापदादा हर बच्चे को तीव्र पुरुषार्थी स्वरूप में देखने चाहते हैं। कोई भी बात आये, बातों का काम है आना लेकिन आप बच्चों का काम है बाप के दिल की दुआयें लेना।

18. सारा दिन ऐसे अनुभव करो कि बापदादा हमारे रक्षक बन साथ में हैं और बाप के साथ का अर्थ है - बाप जो कहे। अमृतवेले जो मुरली सुनते हो उसमें यादप्यार के साथ दुआयें हैं ही।

19. माया का काम है आना, आपका काम है विजय प्राप्त करना। सदा याद रहे कि मैं सफलता का विजयी रतन हूं। एक दो को देख उनकी विशेषता को देखना, दूसरी बातों को नहीं। एक दो की कमजोरी की बातें सुनते भी जैसे नहीं सुनो। तीव्र पुरुषार्थी बन औरों को भी तीव्र पुरुषार्थी बनाओ। **पुरुषार्थ में थकावट का अनुभव न हो।**

20 लक्ष्य रखो कि हमें नम्बरवन या नम्बर आठ तक आना ही है। वायुमण्डल क्या भी बने लेकिन आप अपने वायुमण्डल से वायुमण्डल को परिवर्तन करो। सदा विजयी बनो और विजयी बनाओ। पुरुषार्थ मे कमजोर नहीं बहादुर बनो और बहादुर बनाओ। आपका टाइटल है मायाजीत। तो मायाजीत बनने की हिम्मत तो है ना, हिम्मत कभी नहीं हारना। बापदादा का सहयोग पहले है। हिम्मत हारा तो सब गया। हिम्मत है तो हिम्मते बच्चे मददे बाप है ही। ओम् शान्ति